Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 15-05-2006

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

>

Title : Request to name the proposed International Airport at Jaipur as Maharaja Mansingh Airport without displacing the people living in the area.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं भारत सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने जयपुर मे अंतर्राट्रीय एयरोड्रम बनाने की घोाणा की है लेकिन इसके साथ-साथ मेरी कुछ कठिनाई भी बढ़ गयी है। जयपुर हवाई अड्डे की पश्चिम सीमा में बांडरीवॉल के पास टौंक रोड पर बनी 24 कालोनियों का प्रतिवेदन है कि ये कालोनियां 1980 से पूर्व से बसी हुई हैं तथा इनमें जेडीए नगर निगम द्वारा सड़क, नालियां, सीवर लाइन, पार्क, पानी की लाईन, कम्युनिटी सैंटर इत्यादि की सुविधाएं नागरिकों को उपलब्ध करा दी है और इनमें से अधिकांश कालोनी जेड़ीए द्वारा अनुमोदित है। गरीब जनता ने विभिन्न एजेंसियों से ऋण लेकर 95 प्रतिशत भूखंडों पर मकान बना लिए हैं। टौंक रोड की 24 कालोनियों की 11.95 एकड़ भूमि को हवाई अड्डे में डीबीओआर के लिए चाही है। नक्शे को देखने से विशेा सूत्रों से मालूम करने पर विदित हुआ है कि डीबीओआर को 150 मीटर प्रस्तावित नए टर्मिनल की तरफ पूर्व दिशा में खिसकाने से इस क्षेत्र के कालोनी वाले उजडने से बच सकते हैं जिससे कि इस क्षेत्र के निवासियों को राहत मिलेगी। साथ ही राज्य सरकार को करोड़ों रुपये का भार सहन नहीं करना पड़ेगा। इस पर नजर रखते हुए हवाई अड्डे द्वारा मांगी गयी 11.95 एकड़ भूमि के अधिग्रहण करने तकनीकी रूप से तथा हवाई अड्डे में वर्तमान उपलब्ध भूमि को देखते हुए इसकी आ वश्यकता नहीं रह जाती है। देश के अन्य हवाई अड्डों की तुलना में जयपुर हवाई अड्डे के पास वर्तमान में सबसे ज्यादा भूमि है। इसलिए जो भूमि जयपुर एयरपोर्ट के अधीनस्थ है, उसी भूमि पर हवाई अड्डे को विकसित किया जाये।

इसलिए केन्द्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि जो भूमि वर्तमान में हवाई अड्डे के लिए निर्धारित की हुई है, उसी में अन्तर्राट्रीय हवाई अड्डा बनाया जाये और बसी हुई कालोनियों का एक भी मकान नहीं छेड़ा जाये और इसका नाम, जिनका जयपुर शहर में योगदान रहा है, महाराजा मानसिंह अंतर्राट्रीय हवाई अड्डा रखा जाये। आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।